2. <u>विद्युत आपूर्ति की स्थिति :–</u>

1. विद्युत आपूर्ति :–

बून्दी जिले में 132 केवी के 3 जी.एस.एस. एवं 33/11 के.वी. के 43 सबस्टेशन तथा 11/0.4 के.वी. के 8000 सब स्टेशन स्थापित हैं, 501 किमी. 33 के.वी. लाईन, 3652 कि.मी. 11 के.वी. लाईन तथा 4000 कि.मी. एल.टी. लाईन स्थापित है। जिनके माध्यम से जिले में 1. 06 लाख उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जा रही है 80683 घरेलू, 8125 व्यवसाय, 15556 कृषि कनेक्शन 1236 औद्योगिक, 280 जलदाय विभाग तथा शेष कनेक्श्न अन्य श्रेणी के हैं। तथा अन्य शेष श्रेणी के हैं। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य हेतु विभिन्न ब्लॉकों में साढे छः घण्टे से सात घण्टे थ्री फेज विद्युत आपूर्ति की जा रही है एवं सायं 6.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे तक 12 घण्टे सिंगल फेज विद्युत आपूर्ति घरेलू उपभोग के लिए नियमित की जा रही है। जिला मुख्यालय, नगर पालिका क्षेत्र, तथा कस्बे जिनकी आबादी 5000 से अधिक है उनमें कोई विद्युत कटौती नहीं की जा रही है।

2. गांवो का विद्युतिकरण

जिले में स्वीकृत ग्रामों की संख्या (सेसंस 2001) के आद्यार पर 849 गांव हैं, जिनमें से 840 गांव को विद्युतिकृत किया जा चुका है, ो ा रहे 09
गांव वन विभाग की आपत्ति के कारण विद्युतिकृत नहीं हो पाये हैं।
विद्युतिकृत गांव मे से बकाया राशि के कारण 23 गांव विद्युत आपूर्ति से कटे हुए हैं। एव 10 गांव छवद च्वजमदबपंस है ।

3. जले हुए ट्रान्सफार्मर 72 घण्टे में बदलने की क्रियान्विति :–

जिन उपभोक्ताओं पर निगम की कोई राशि बकाया नहीं होती है उनके जले एवं खराब हुये ट्रान्सफार्मर, जिनके विद्युत बिल जमा कराने के समय से 72 घण्टे में बदल दिया जाता है, इस वित्तीय वर्ष में माह अक्टूबर 2009 तक 871 ट्रान्सफार्मर जले एवं खराब हुये जिनको बदलकर विद्युत आपूर्ति बहाल की गई।

4. व ि 2009–10 में जारी कृषि कनेक्शन :–

निगम के प्रचलित निर्देशानुसार वर्ष 2009–10 के अन्तर्गत अप्रेल 2003 से दिसम्बर 2007 तक के सामान्य वर्ग के 2372 विचाराधीन आवेदनों के मांग पत्र जारी करने हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिनमें से अप्रेल 2009 में 50 प्रतिशत आवेदनों (1186) के मांग जारी किए जा चुके हैं। तथा शेष 50 प्रति ात आवेदनों के मांग पत्र जारी करने हेतु निगम द्वारा प्रतिबन्धित किया हुआ है। जब भी निर्देश प्राप्त होंगे। मांग पत्र जारी कर अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी। माह नवम्बर 2009 तक 1545 कृषि कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं एवं 1031 आवेदन ऐसे हैं जिनके मांग पत्र जमा हैं। जिनको सामान की उपलब्धता के अनुसार कनेक्शन देने की कार्यवाही जारी है। इस वित्तिय व ि में 2396 आवासीय तथा 325 कनेक्शन व्यावसायिक जारी किये जा चुके है।

5. फीडर सुधार कार्यक्रम :–

बून्दी जिले के सभी 117 फीडर व 710 ग्रामों में सिंगल फेज का कार्य पूर्ण कर घरेलू उपभोग के लिये भाहरी क्षेत्र के अनुरूप सिंगल फेज सप्लाई चालू कर दी गई थी। इनमें से 13 फीडरों, जिन पर 111 गॉव जुड़े हैं का विद्युत छीजत 15ः से अधिक हो जाने के कारण,

इन फीडरों से यह सुविधा वापस ले ली गई है तथा इन्हें 4 घण्टे सायं व 2 घण्टे प्रातः सिंगल फेज सप्लाई दी जा रही है। शे ा फीडरों पर वर्तमान में सायं 6 बजे से प्रातः 6 बजे तक सिंगल फेज आपूर्ति दी जा रही है। 107 फीडरों पर थ्री फेज एफ.आर.पी. का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 10 फीडरों का कार्य जनवरी 2010 तक पूरा कर लिया जायेगा।

6. विद्युत छीजत

व र्ा 2008–09 में विद्युत छीजत 28.58 प्रतिशत था, जो व र्ा 2009–10 में घटकर 25.32 रह गया, एवं राजस्व वसूली 91.77 प्रति ात थी, जो व र्ा 2009–10 में 86.85 प्रतिशत हुई है।

7.राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना की प्रगति एवं समीक्षा :–

बून्दी जिले में राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना वर्ष 2005 के अन्त में स्वीकृत की गई थी। जिसकी कार्य अवधि दो वर्ष निर्धारित की गई थी, जिसके लिए 16.91 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया था। योजना में गॉवों एवं ढाणी मजरों का विद्युतीकरण चयनित परिवारों के 1 बत्ती विद्युत कनेक्शन, विद्यालयों के कनेक्शन एवं ए.पी.एल. कनेक्शन जारी करने हेतु योजना स्वीकृत की गई थी।

योजना में स्वीकृत कार्य

गॉवों एवं ढाणी मजरों का विद्युतीकरण :–

इस योजना में 762 विद्युतीकृत ग्रामों में विद्युत तंत्र स्थापित करने, 9 नये सृजित गॉवों का विद्युतीकरण करने एवं 68 डी इलेक्ट्रिफाईट गॉवों का पुनः विद्युतीकरण करने एवं इसके अतिरिक्त 125 ढाणी मजरों का विद्युतीकरण करने का कार्य प्रस्तावित किया गया था जिनमें से 652 गॉवों में विद्युत तंत्र स्थापित किया जा चुका है। 9 नये सृजित गॉवों का विद्युतीकरण कार्य पूरा किया जा चुका है, 59 डी ईलेट्रिफाईट गॉवों का विद्युतीकरण किया जा चुका है। शेष 9 गॉव वन क्षैत्र से प्रभावित होने के कारण उनका विद्युतीकरण किया जाना संभव नहीं है। जो निम्न प्रकार है :–

1. पंचायत समिति, नैनवां :– 1. रामगढ़ (अभियारण)
2. पंचायत समिति तालेड़ा :– 2. गुलखेड़ी
3. गोलपुर
3. पंचायत समिति, के0पाटन :– 4. लोहली
5. सहणपुर
4. पंचायत समिति हिण्डोली :– 6. गुरजनियां
7. सरसोद
8. जाखोली कलां
9. खण्डारिया

ढाणी मजरों का सर्वे करने के उपरांत 44 ढाणी मजरे ही ऐसे पाये गये हैं जिनमें आवासीय बस्ती स्थापित है। जिनमें से 36 ढाणी मजरों का विद्युतीकरण
किया जा चुका है तथा शेष 8 का कार्य प्रगति पर है। शेष 81 ढाणी मजरे ऐसे हैं जिनमें आवासीय बस्ती नहीं है। अथवा लुप्त होने के कारण जिनका विद्युतीकरण किया जाना संभव नहीं है।

चयनित परिवारों (बी.पी.एल.) को विद्युत कनेक्शन :–

जिले में 2002 कें सेंसस के आधार पर (बी.पी.एल.) चयनित परिवारों को विद्युत कनेक्शन जारी करने हेतु 22400 आवंटित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु 31428 परिवारों के सर्विस कनेक्शन आदेश जारी किये गये थे। जिनके आधार पर 21733 परिवारों को सितम्बर 2009 तक विद्युत कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं
तथा 7900 परिवार ऐसे हैं जिनको अन्य कारणवश गैर आबादी क्षेत्र, चारागाह, वन क्षेत्र पर आवास एवं जिनके विरूद्ध बकाया राशी होने के कारण कनेक्शन दिया जाना संभव नहीं है तथा शेष 1795 कनेक्शन किए जाने की कार्यवाही जारी है।

विद्यालयों का विद्युतीकरण :–
बून्दी जिले में विद्यालयों का विद्युतीकरण करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी सर्वशिक्षा अभियान, बून्दी द्वारा 293 विद्यालयों को विद्युत कनेक्शन जारी करने की
सूची उपलब्ध करवाई थी जिसमें से 174 आवेदन विद्युत कनेक्शन जारी करने हेतु प्राप्त हुए। जिनमें से 174 को मांग पत्र जारी किये जा चुके हैं एवं 148 के द्वारा मांग पत्र राशि जमा करवा दी गई है, जिनमें 118 विद्यालयों के विद्युत कनैक्शन जारी कर दिये गये हैं तथा शेष 30 विद्यालयों के कार्यादेश जारी किये जा चुके हैं, जिनका कार्य प्रगति पर है। उक्त कार्यों के तहत 601 नये ट्रान्सफार्मर लगाये जा चुके हैं तथा 368
कि.मी. 11 केवी लाईन तथा 746 कि.मी एल.टी.लाईन का विस्तार कार्य पूर्ण किया जा चुका है। उक्त योजना का कार्य कार्यकारी संस्था मैसर्स जीनस ओवरसिस लिमिटेड के द्वारा किया जा रहा है। जिसके कार्यादेश निगम स्तर से ही जारी किये गये हैं।

8.बिजली चोरी हेतु की गई कार्यवाही :–
जिले में विद्युत चोरी को रोकने हेतु जिला स्तर पर सहायक अभियन्ता (सतर्कता) नियुक्त है तथा विद्युत पुलिस थाने की स्थापना हो चुकी है। जो जिला
खण्ड के अधिनस्थ कनिष्ठ अभियन्ता/ सहायक अभियन्ताओं को विद्युत चोरी रोकने में सहायता प्रदान करते है। वर्ष 2008–09 में विद्युत चोरी के 1007 मामले पकड़े गये थे, जिन पर 43.62 लाख रूपये का जुर्माना किया गया था तथा निर्धारण कर 20.12 लाख रूपये की रा ी वसूल की गई। इस वित्तीय वर्ष में माह सितम्बर 2009 तक 1501 मामले विद्युत चोरी के पकड़े गये जिन पर 36.51 लाख रूपये का जुर्माना किया गया। जिनमें से 825 मामलों का निर्धारण कर 14.91 लाख रूपये की राशि प्राप्त की गई।

9.बीस सूत्रीय कार्यक्रम :–
जिले में बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2009–10 में गॉवों में उजाला के शून्य, कुओं का ऊर्जीकरण 1545, अनुसूचित जाति के कुओं पर बिजली 35 तथा अनुसूचित जाति के परिवारों को औद्योगिक कनेक्शन 1 के लक्ष्यों का आवंटन किया गया था, जिसके तहत् कुओं के ऊर्जीकरण 1413 कृषि
कनेक्शन, अनुसूचित जाति के परिवारों को 259 कृशि कनेक्शन तथा अनुसूचित जाति के परिवारों को एक औद्योगिक कनेक्शन माह नवम्बर, 09 तक जारी किया जा चुका है।